This question paper contains **3** printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **3135**

Unique Paper Code : **2051504** **F-5**

Name of the Paper : **Lok Sahitya (लोक साहित्य)**

Name of the Course : **Hindi (Honours) Hindi**

Semester : **V**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 14+14+14

   (*i*) लोक साहित्य के विविध रूपों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

   (*ii*) देश के सांस्कृतिक जीवन में लोक संस्कृति की भूमिका का विश्लेषण कीजिए।

   (*iii*) लोकगीतों में लोकजीवन की सामूहिकता और सामाजिकता सशक्त और कलात्मक रूप में व्यक्त होती है। इस कथन पर विचार कीजिए।

   (*iv*) लोक नाटककार भिखारी ठाकुर के योगदान पर प्रकाश डालिए।

   (*v*) पंडवानी, विदेसिया और सांग लोक नाट्य शैलियों की विशेषताएँ लिखिए।

2. (क) संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 9

   छल करिके पिया पुरुब देस में चलि गइलन बिसराई॥

   प्रान पिया बिनु कुछु ना सोहाता उर में दाह अधिकाई।

P.T.O.

बाट चलत में पियरी छाई, पढ़त सुग्गा उड़ि जाई।

अपने चलत ना अब लगि केहू के, कुछुओ ना कइलीं बुराई।

ना जाने केहि हेतु विधाता दिहलन डबल सजाई॥

अथवा

काली घटा छ्याई हे मां मेरी ऊग्गमणी री, इन्दर बरसै मूसलधार,

खड़ीए अकेली भीजूं हे मां मेरी बाग मैं री॥

सारी सहेली हे मां मेरी साथ की री, सब कर्‌यो सौला सिंगार,

खड़ीए अकेली भीजूं हे मां मेरी बाग मैं री।

घूम घुमंता हे मां मेरी घाघरा री, अरी जले घूंघट की फटकार,

खड़ीए अकेली भीजूं हे मां मेरी बाग मैं री॥

(ख) निम्नलिखित पंक्तियों में निहित भाव-सौन्दर्य को स्पष्ट कीजिए : 9

दूल्हा बनि के गइलऽ बिआह करे

बान्हि के माथवा पर मउरिया।

हथवा धड़के लेइ अइलऽ बनाइ लेल बहुरिया।

तेकरा के छोड़ि के परइलऽ अइलऽ बबुआ देस दूरिया।

खाये के ना घर में हवहिस जव-मटर-मसूरिया।

हमरा से कहली जे जाके कहिहऽ, कवन कइलीं कसूरिया।

अथवा

निम्नलिखित पंक्तियों में निहित रचना-कौशल स्पष्ट कीजिए :

भोली शकल अकलबन्द पूरी ना ठाड़ी ना माड़ी।

सबकै धोरै बांधण खातिर गजब रेशमी साड़ी॥

रेशमी कुर्ती कोहणियां तक की आधी भुजा उघाड़ी।

शरबती चूड़ी नरम कलाई चलै टेम सिर नाड़ी॥

3. टिप्पणी लिखिए : 8+7

(क) बारहमासा **अथवा** कटनी

(ख) दो मूंडों का दोणी **अथवा** घड़ियाल।